वी. एन्ड सी. पटेल अंग्रेजी विद्यालय

वार्षिक परीक्षा

दिनांक : १२-३-१८ | कक्षा – ११ विषय : हिन्दी | पूर्णांक-१००

समय : ३ घण्टे

प्र-१ निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए । १०

स्वतंत्र भारत का संपूर्ण दायित्व आज विद्यार्थी के ही ऊपर हैं – क्योंकि आज जो विद्यार्थी हैं, वे ही कल स्वतंत्र भारत के नागरिक होंगे । भारत की उन्नति और उसका उत्थान उन्हीं की उन्नति और उत्थान पर निर्भर करता है । अत:विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपने भावी जीवन का निर्माण बड़ी सतर्कता और सावधानी के साथ करें । उन्हें प्रत्येक क्षण अपने राष्ट्र, अपने समाज, अपने धर्म, अपनी संस्कृति को अपनी आँखों के सामने रखना चाहिए कि उनके जीवन से राष्ट्र को कुछ बल प्राप्त हो सके । जो विद्यार्थी राष्ट्रीय दृष्टिकोण से अपने जीवन का निर्माण नहीं करते, वे राष्ट्र और समाज के लिए भार-स्वरूप होते हैं ।

विद्यार्थी का लक्ष्य विद्योपार्जन है । भली-भाँति विद्योपार्जन करके वह राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वाह सुचारु रूप से कर सकता है । राजनीति इस लक्ष्य की पूर्ति नहीं कर सकती । राजनीति वास्तव में धूर्तों का खेल है जो अनेक दाँवपेच खेलकर जीवन में सफलता प्राप्त कर लेते हैं । यह सरल एवं शुद्ध-हृदय विद्यार्थी के वश का रोग नहीं है । राजनीति छात्रों के अध्ययन में बाधा ही नहीं डालती वरन् उन्हें गुमराह भी कर देती है । अत: छात्रों को चाहिए कि सर्वप्रथम अपने आपको योग्य बनाने के बाद ही वे राजनीतिक क्षेत्र में कदम रखें ।

क) भारत की उन्नति किस पर और क्यों निर्भर करती हैं ?

ख) विद्यार्थियों को अपने भावी जीवन का निर्माण किस प्रकार करना चाहिए ।

ग) किस प्रकार के विद्यार्थी अपने राष्ट्र और समाज के लिए भार-स्वरूप होते हैं ?

घ) विद्यार्थी राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वाह किस प्रकार कर सकता हैं ?

ड) छात्रों को राजनीति में भाग क्यों नहीं लेना चाहिए ?

प्र-२ निम्न पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए । ५

है अगम चेतना की घाटी, कमज़ोर पड़ा मानव का मन,
ममता की शीतल छाया में, होता कटुता का स्वयं शमन !
ज्वालाएँ जब धुल जाती हैं, खुल-खुल जाते हैं मुदे नयन,
होकर निर्मलता में प्रशांत, बहता प्राणों का क्षुब्ध पवन ।
संकट में यदि मुसका न सको, भय से कातर हो मत रोओ ।
यदि फूल नहीं बो सकते हो, काँटे कम से कम मत बोओ ।

क) फूल या काँटे बोने का भाव क्या है ?

ख) मानव मन की कड़वाहट कैसे दूर हो सकती हैं ?

ग) 'ज्वालाएँ' किसका प्रतीक हैं ?

घ) उत्तेजित मन कब शांत हो जाता हैं ?

च) कवि कठिनाई के क्षणों में क्या करने या क्या न करने का परामर्श दे रहा हैं ?

खंड (ख)

प्र-३ निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए । १०

१. स्वस्थ जीवन : सुखद जीवन
२. मेरे जीवन का लक्ष्य

प्र-४ आपका मित्र बोर्ड की परीक्षा में प्रथम घोषित किया गया । इस अवसर पर उसे बधाई पत्र लिखिए ।५

अथवा

दिल्ली नगर निगम के स्वास्थ्य-अधिकारी को पत्र लिखकर उनसे अपने मोहल्ले की सफाई कराने का अनुरोध कीजिए ।

प्र-५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए । १०

१. शोर से क्या आशय हैं ?
२. बीट किसे कहते है ?
३. वैकल्पिक पत्रकारिकता किसे कहते है ?
४. समाचार-पत्र में डेडलाइन से क्या आशय है ?
५. पत्रकारिता से आप क्या समझते है ?

प्र-६ आपके विद्यालय में खेल सप्ताह का आयोजन किया गया था ।
इस विषय पर एक रिपोर्ट लिखिए । ५

खंड (ग)

प्र-७ निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । ८

अपनी बस्तियों को
नंगी होने से
शहर की आबोहवा से बचाएँ उसे
बचाएँ डुबने से
पूरी की पूरी बस्ती को
हड़िया में
अपने चेहरे पर
सन्थाल परगना की माटी का रंग
भाषा में झारखंडीपन
ठंडी होती दिनचर्चा में
जीवन की गर्माहट
मन का हरापन
भोलापन दिल का
अक्खडपन, जुझारूपन भी

प्रश्न :

१. बस्तियों के नंगी होने का क्या आशय है ?
२. शहर की आबोहवा से बस्तियों को क्या खतरा है ?
३. कविता में किस प्रदेश का प्रभाव दिखता है ?
४. कवि किस प्रकार का जन-जीवन देखना चाहता है ?

प्र-८ निम्नलिखित काव्यांश का ध्यानपूर्वक पढ़कर भावार्थ लिखिए । ८

चंपा सुंदर की लड़की है
सुन्दर ग्वाला है: गायें-भैंस रखता है
चंपा चौपायो को लेकर
चरवाही करने जाती है
चंपा अच्छी है
चंचल है
न ट ख ट भी है
कभी कभी उद्यम करती है
कभी कभी वह कलम चुरा देती है
जैसे तैसे उसे ढुँढकर जब लाता हूँ
पाता हूँ – अब कागज गायब
परेशान फिर हो जाता हूँ

प्र-९ निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । ८

१. लक्ष्य प्राप्ति में इंद्रियाँ बाधक होती हैं - इसके संदर्भ में अपने तर्क दीजिए ।
२. सबसे खतरनाक शब्द बार-बार दोहराए जाने से कविता में क्या असर पैदा हुआ ?
३. कबीर ने ऐसा क्यों कहा है कि संसार बौरा हो गया है ?
४. 'वे आँखे' कविता में किसान की पीड़ा के लिए किन्हें जिम्मेदार बताया गया है ?
५. दिल के भोलेपन के साथ-साथ अक्खड़पन और जुझारूपन को भी बचाने की आवश्यकता पर क्यों बल दिया गया है ?

प्र-१० निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए । ८

भले ही १९४७ और १९४८ में महत्त्वपूर्ण घटनाएँ घटी हों, मेरे लिए वे कठीन बरस थे । पहले तो कल्याण वाले घर में मेरे पास रहते मेरी माँ का देहांत हो गया । पिता जी मेरे पास ही थे । वे मंडला लौटे गए । १९४८ में वे भी नहीं रहे । विभाजन की त्रासदी के बावजूद भारत स्वतंत्र था । उत्साह था, उदासी भी थी । जीवन पर अचानक जिम्मेदारियों का बोझ आ पड़ा । हम युवा थे । मैं पच्चीस बरस का था; लेखकों, कवियों, चित्रकारों की संगत थी । हमें लगता था कि हम पहाड़ हिला सकते है । और सभी अपने-अपने क्षेत्रों में, अपने माध्यम में सामर्थ्य भर-बढ़िया काम करने में जुट गए । देश का विभाजन, महात्मा गाँधी की हत्या क्रूर घटनाएँ थीं । व्यक्तिगत स्तर पर, मेरे माता-पिता की मृत्यु भी ऐसी ही क्रूर घटना थी । हमें इन कर अनुभवों को आत्मसात करना था । हम उससे उबर काम में जुट गए ।

क. निबंध तथा निबंधकार का नाम लिखिए ।

ख. लेखक के साथ व्यक्तिगत रूप से कौन-सी दुखद घटनाएँ घटीं ?

ग. 'विभाजन की त्रासदी के बावजूद भारत स्वतंत्र था' - का व्यंग्य स्पष्ट कीजिए ।

घ. लेखक के जीवन में उत्साह और उदासी एक साथ क्यों थी ?

प्र-११ निम्नलिखित प्रश्नो में से किन्हीं तीन प्रश्नों के प्रश्नों के उत्तर दीजिए । ९

१. दुनिया के बारे में किसानों को बताना नेहरूजी के लिए क्यों आसान था ?

२. बंबई में रहकर कला के अध्ययन के लिए रजा ने क्या क्या संघर्ष किए ?

३. किन दो द्रश्यों में दर्शक यह पहचान नहीं पाते कि उनकी शूटिंग में कोई तरकीब अपनाई गई है ?

४. 'नमक का दरोगा' कहानी का कौन-सा पात्र आपको सर्वाधिक प्रभावित करता है और क्यों ?

प्र-१२ चित्रपट संगीत ने लोगों के कान बिगाड़ दिए-अक्सर यह आरोप लगाया जाता रहा है । इस संदर्भ में कुमार गंधर्व की राय और अपनी राय लिखें । ५

प्र-१३ निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए । ९

१. बेबी की जिंदगी में तातुश का परिवार न आया होता तो उसका जीवन कैसा होता ? कल्पना करें और लिखें ।

२. राजस्थान में कुंई किसे कहते हैं ? इसकी गहराई और व्यास तथा सामान्य कुओं की गहराई और व्यास में क्या अंतर होता है ?

३. 'आलो-आँधारि' पाठ से घरो में काम करनेवालों के जीवन की जटिलताओं का पता चलता है । घरेलू नौकरों को और किन समस्याओं का सामना करना पडता है । इस पर विचार करिए ।